हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 12 अक्टूबर 2026

12 श्री प्रयाग गिरि शिवालय मंदिर में अखंड ज्योत के साथ...



12 किसी भी समाज की वास्तविक पहचान संस्कारों व आपसी...



खबर संक्षेप

आदमपुर में 9 किलो डोडा चूरा पोस्त समेत एक काबू

हिसार। पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मंडी आदमपुर की ऑटो मार्केट से एक आरोपी को 9 किलो डोडा चूरा पोस्त सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान खैरमपुर निवासी रमेश के रूप में हुई है, जो फिलहाल मंडी आदमपुर में किराये पर रह रहा था। आदमपुर थाना प्रभारी के अनुसार, सहायक उप निरीक्षक विजेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ अपराधों की पड़ताल और नशा तस्करी की रोकथाम के लिए क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 9 किलो डोडा चरा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ आदमपुर थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

समझौते के लिए 37 लाख मांगे, महिला गिरफ्तार

हिसार। मुकदमे में समझौता करने के नाम पर 37 लाख रुपये मांगने और ब्लैकमेलिंग करने के आरोप में सिविल लाइन थाना पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला की पहचान हनुमानगढ़ में रह रही हिसार के आजाद नगर निवासी शालू उर्फ चांद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला ने शिकायतकर्ता के भाई के खिलाफ दर्ज मुकदमे को वापस लेने या समझौता करने के एवज में 37 लाख रुपये की मांग की थी। इस संबंध में शिकायत मिलने पर थाना सिविल लाइन हिसार में मामला दर्ज किया गया था। कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

अवैध पिस्तौल व कारतूसों के साथ एक गिरफ्तार

हांसी। सीआईए-1 ने अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान मुंढाल खुर्द निवासी दिनेश उर्फ मोनी को एक अवैध देसी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी हथियार का लाइसेंस पेश नहीं कर सका। पुलिस ने उसके खिलाफ थाना बास में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। सीआईए-1 में तैनात उपनिरीक्षक कपिल के अनुसार, पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि दिनेश अवैध पिस्तौल लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसकी जींस की दाहिनी जेब से पिस्तोल और बाईं जेब से दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा। सीआईए -1 ने एक अन्य मामले में अलीगढ़ निवासी आशीष को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक सप्ताह में पांच आरोपियों को पांच अवैध हथियार, दो मैगजीन और 24 जिंदा कारतूस समेत गिरफ्तार किया है।

रामेश्वर भाटीवाल प्रधान व दयावंती बनीं सचिव

उकलाना। कुम्हार धर्मशाला में कुम्हार समाज की बैठक में नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इसमें रामेश्वर दास भाटीवाल को प्रधान चुना गया, जबकि दयावंती को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। दयावंती उकलाना नगर पार्षद भी हैं। नई कार्यकारिणी से समाज की एकजुटता को मजबूत करने तथा धर्मशाला के विकास कार्यों को गति देने की उम्मीद जताई गई। गठित कार्यकारिणी में रलदूराम जाजनवाला और शीशपाल कुन्दनपुरा को उपप्रधान, धर्मपाल लितानी को कैशियर, जयपाल कल्लरबैनी को ऑडिटर, लाल बहादुर खोवाल को कानूनी सलाहकार, सत्यवान पूर्व सरपंच को प्रेस प्रवक्ता, रोशनी वर्मा को महिला प्रभारी तथा जयनभगवान गगवा को लाइब्रेरी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

रात 3 बजे दंपति में झगड़ा, दो घंटे बाद पति की मौत; पत्नी पर हत्या का केस

सातरोड गांव की घटना, गले पर नाखूनों और सिर-कंधे पर चोट के निशान मिलने का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

नजदीकी गांव सातरोड में किराये के मकान में रहने वाले 42 वर्षीय महेश की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महेश के शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद परिजनों ने उसकी पत्नी सीमा पर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटनाक्रम में रात करीब तीन बजे पति-पत्नी के बीच झगड़ा होने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने पत्नी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। मृतक की मां कमलेश का कहना है कि उन्हें सुबह करीब आठ बजे बेटे की मौत की सूचना मिली। वह मौके पर पहुंचीं तो महेश के गले पर नाखूनों के निशान तथा सिर और कंधे पर चोट के निशान दिखाई दिए। इसके बाद परिवार ने महेश की पत्नी पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार इस मामले में पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। मृतक का कल पोस्टमार्टम होगा।



हिसार। मृतक महेश के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भिजवा पुलिस।

मां बोली- सीमा अक्सर करती थी महेश से झगड़ा

कमलेश ने बताया कि महेश की शादी वर्ष 2014 में मुगलपुरा गांव निवासी सीमा के साथ हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं। उनका आरोप है कि सीमा अक्सर महेश के साथ झगड़ा करती थी। इसी वजह से दोनों अलग रहने लगे थे और गांव सातरोड में किराये के मकान में रह रहे थे। महेश हिसार के एक निजी अस्पताल में काम करता था।

रात को आ रही थी झगड़े की आवाज

पड़ोसी दीपक ने बताया कि रात करीब तीन बजे उसे महेश और उसकी पत्नी के बीच झगड़ा होने की आवाज सुनाई दी थी। उसने दोनों को शांत रहने के लिए भी कहा था। इसके बाद सुबह करीब पांच बजे उसे महेश की मौत की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर उसने महेश की गर्दन पर नाखूनों के निशान देखे। पुलिस ने महेश की पत्नी सीमा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल महेश की मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्षों के आधार पर ही मौत की परिस्थितियों का पता चल सकेगा।



देसी खेल, खानपान व माहौल के साथ म्हारी माटी एग्रो टूरिज्म शुरू

हिसार। हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति, ग्रामीण जीवनशैली व पारंपरिक विरासत को करीब से जानने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित म्हारी माटी एग्रो टूरिज्म का विधि-विधान से शुभारंभ हुआ। यहां पर देसी खेल, देसी खानपान, देसी माहौल और बैलगाड़ी की सवारी का लोगों ने खूब आनंद उठाया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, हकृवि के कुलपति प्रो. बी. आर. कांबोज, संतोष कांबोज, रजिस्ट्रार पवन कुमार, प्रो. आर. के. गुप्ता व डॉ. अशोक गोदारा सहित सभी काफी संख्या में गणमान्य लोगों ने अवलोकन किया। इस दौरान आयोजित की गई पत्रकार वार्ता में अनिल गोयल, लक्ष्य गोयल व ईशा गोयल ने बताया कि प्रथम नवरात्रे के शुभ अवसर पर सुंदरकांड पाठ के साथ इसकी शुरुआत की गई है। यहां पर हरियाणवी संस्कृति, विरासत व परम्पराओं का समावेश किया गया है। यहां पर लोगों को हरियाणवी मिट्टी की सौंधी महक, भाईचारे व अपनेपन का सामंजस्य दिखाई देगा। उन्होंने बताया कि यहां पर हरियाणा के गांवों का अनुभव लिया जा सकेगा और चौपाल व लोक संस्कृति की झलक भी मिलेगी। इसके साथ ही प्राकृतिक वातावरण में बैलगाड़ी की सवारी, पारंपरिक खेल, हस्तशिल्प, कला और विरासत से भी साक्षात्कार होगा। बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के खेल व झूलों की व्यवस्था भी रहेगी। इतना ही नहीं यहां आने वाले लोगों को देसी खानपान का आनंद उठाने का मौका भी मिलेगा।

हांसी-चंडीगढ़ सड़क मार्ग पर राजथल के पास हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

हांसी-चंडीगढ़ सड़क मार्ग पर रविवार की सुबह गांव राजथल के पास ट्रक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरा। इस हादसे में ट्रक का ड्राइवर में कंडक्टर घायल हो गए। ट्रक में से गैस निकलने लगी तो डर के मारे सभी दूर चले गए। कुछ लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए ट्रक के ड्राइवर को कंडक्टर को गाड़ी से बाहर निकाला। सड़क पर सैर कर रही कुछ लोग भी इस घटना से बाल-बाल बच गए। जींद जिले के गांव ईसापुर खेड़ी निवासी अतुल ने बताया कि वह रात को ट्रक में सामान भरकर हिसार के लिए रवाना हुआ था। उसके साथ में ट्रक कंडक्टर सागर भी साथ था। रविवार की सुबह जब वह गांव राजथल के पास पुलिस नाके पर मसूदपुर नहर के पास पहुंचे तो अचानक से गाड़ी अनियंत्रित हो गई। और पुलिस नाके पर रखें बैरियर को तोड़ती हुई नहर में जा गिरी।

अनियंत्रित होकर नहर में गिरा ट्रक, ड्राइवर-कंडक्टर चोटिल



गाड़ी 5 मीटर पहले मुड़ जाती तो होता बड़ा नुकसान

अगर गाड़ी मात्र 5 मीटर पहले मुड़ जाती तो सीधे मंदिर में घुस जाती और मंदिर में बैठे काफी लोग इस दुर्घटना का शिकार होते। बड़ा हादसा होते-होते बाल बाल बच गया। गाड़ी से गैस लीक कर रही थी काफी लोग डर के मारे दूर भाग गए थे। कुछ लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए ड्राइवर और कंडक्टर को गाड़ी से बाहर निकाला।

सैर कर रहे ग्रामीणों ने घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला

सड़क के किनारे पर सैर कर रहे ग्रामीणों ने उनको गाड़ी से बाहर निकाला। इस बड़े हादसे में दोनों बाल-बाल बच गए। उनका प्राथमिक इलाज करवाया गया। नाके पर तैनात पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को गाड़ी से दूर हटाया क्योंकि ट्रक की टंकी में सीएनजी गैस भरी हुई थी। उसका तेजी से रिसाव हो रहा था। कहीं आग न लग जाए। इसी खतरे को देखते हुए पुलिस ने ग्रामीणों को दूर रखा। गांव राजथल निवासी सुनील कुमार ने बताया कि वह सैर करने के लिए हर रोज की तरह आज भी आया हुआ था और वह कुछ देर के लिए नहर के पुल पर बैठकर आराम करता था। भगवान का शुक्र है कि आज नहर के पुल से मात्र 10 कदम दूर ही खड़ा कसरत कर रहा था। तभी देखा की गाड़ी उसकी तरफ आ रही है। सोचा कि कोई जानकर होगा लेकिन जब गाड़ी बिल्कुल पास आ गई तो वह एकदम से दूर भाग कर जान बचाई। गाड़ी बैरियर और वहां पर रखी हुई कुर्सियों को तोड़ते हुए नहर में जा गिरी। एक पल के लिए तो ऐसा महसूस हुआ कि गाड़ी की टक्कर लग गई लेकिन बाल-बाल बच गया। आज मौत को बिल्कुल करीब से देखा है।

धार्मिक आस्था के साथ हुआ रामलीला महोत्सवों का शुभारंभ





हिसार। हिसार और आसपास के क्षेत्रों में रामलीला महोत्सवों की शुरुआत धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ हुई। हिसार के पुराने गवर्नमेंट कॉलेज मैदान में कटला रामलीला का विधिवत शुभारंभ हुआ, जहां पहले दिन नारद मोह और पृथ्वी पर मानव उत्पत्ति के प्रसंगों का मंचन किया गया। 12 अक्टूबर को विश्वामित्र आगमन, अहिल्या उद्धार और पुष्प वाटिका के प्रसंग प्रस्तुत किए जाएंगे। वहीं, नारनौंद के गांव लोहारी राघो में 77 साल पुरानी रामलीला परंपरा का ध्वजारोहण के साथ आगाज हुआ। वर्ष 1949 से चली आ रही इस रामलीला में दस दिन तक भगवान श्रीराम की लीलाओं का मंचन होगा। इसके अलावा, हिसार के विद्युत नगर में श्री बद्री-केदार रामलीला समिति ने हवन-यज्ञ और गणपति वंदना के साथ आयोजन शुरू किया। यहां नारद मोह और रावण-कुंभकरण-विभीषण की तपस्या का मंचन हुआ।

-संबंधित पैकेज पेज 12 पर

विधवा की जमीन पर कब्जा कर फसल चुराने में तीन गिरफ्तार

विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

बरवाला पुलिस ने धिकताना गांव में एक विधवा महिला की जमीन पर अवैध कब्जा करने, बाजरे की फसल चोरी करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान धिकताना के ही रोहताश उर्फ जोकर, सुनीता और मोहित के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों से चोरी से संबंधित राशि बरामद कर निशानदेही भी करवाई है। बरवाला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जितेंद्र ने बताया कि धिकताना निवासी टीना पत्नी स्व. महेंद्र ने शिकायत दी थी कि उनकी गैर मौजूदगी में आरोपियों ने उनकी एक किला एक कनाल जमीन पर खड़ी बाजरे की फसल काटकर चुरा ली। इसके बाद ट्रैक्टर से जमीन की जुताई कर उस पर कब्जा कर लिया। पीड़िता के अनुसार, विरोध करने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच अधिकारी पीएसआई उमेद सिंह की टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

दिल्ली आंदोलन के चलते रेल सेवाओं दूसरे दिन भी प्रभावित

हिसार। दिल्ली के जंतर-मंतर में युवाओं के आंदोलन के चलते लगातार दूसरे दिन भी हिसार से दिल्ली रूट पर रेल सेवाएं प्रभावित रहीं। रेलवे ने गाड़ी संख्या 54044 हिसार-जींद रेल सेवा तथा गाड़ी संख्या 54310 हिसार -दिल्ली रेल सेवा सोमवार को भी रद रहेगी। रविवार को गाड़ी संख्या 54316 हिसार-रेवाड़ी रेल सेवा, गाड़ी संख्या 54315 रेवाड़ी–हिसार रेल सेवा, गाड़ी संख्या 54085 दिल्ली-सातरोड रेल सेवा, गाड़ी संख्या 54423 नई दिल्ली-हिसार रेल सेवा, गाड़ी संख्या 54309 दिल्ली- हिसार रेल सेवा रद रहीं। इसके साथ ही गाड़ी संख्या 54086, सातरोड- दिल्ली रेल सेवा सातरोड- रेवाड़ी के मध्य आंशिक रद रहीं। गाड़ी संख्या 15308 सिरसा- तिलक ब्रिज रेलसेवा को रिस्टोर किया गया और सिरसा-रेवाड़ी के मध्य आंशिक रद रहीं, अर्थात यह रेलसेवा रेवाड़ी-तिलकब्रिज के मध्य चली।

हांसी हलके की 62 चौपालों का होगा कायाकल्प, 3.38 करोड़ रुपये मंजूर

नवीनीकरण और मरम्मत कार्य जल्द शुरू होंगे : विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में चौपालों की हालत सुधारने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। हलके के विभिन्न गांवों की 62 चौपालों और सामुदायिक स्थलों की मरम्मत एवं नवीनीकरण के लिए 3 करोड़ 38 लाख 46 हजार रुपये मंजूर किए गए हैं। इन कार्यों के जल्द शुरू होने की उम्मीद है। विधायक विनोद भयाना ने रविवार को अपने निवास पर लोगों की समस्याएं सुनते हुए यह जानकारी दी। विधायक विनोद भयाना ने चौपालों की मरम्मत एवं नवीनीकरण के लिए राशि मंजूर करने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चौपालों के सुधार से ग्रामीणों को बेहतर सामुदायिक सुविधाएं मिलेंगी और गांवों में विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि सूची में शामिल गांवों के अलावा अन्य गांवों की चौपालों के लिए भी राशि जारी की गई है।



सामाजिक मेलजोल का हैं केंद्र

विधायक ने कहा कि गांवों की चौपालें सामाजिक मेलजोल, ग्रामीण बैठकों और सामुदायिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र हैं। इनकी स्थिति बेहतर होने से ग्रामीणों को सुविधाजनक स्थान मिलेगा। उन्होंने बताया कि कई गांवों के सरपंचों और ग्रामीणों की ओर से चौपालों की मरम्मत की मांग उठाई जा रही थी। सरकार ने इन मांगों पर कार्रवाई करते हुए एक साथ बड़ी संख्या में कार्यों को मंजूरी दी है।

इन गांवों की चौपालें शामिल

स्वीकृत कार्यों में रामायण, सोरखी, कंवारी, खेड़ी गंगन, धिराय, सुल्तानपुर, भाटला, कुलाना, पुठी मंगल खां, खरखड़ा, ढाणी गुज्जरान और बांदाहेड़ी समेत कई गांवों की चौपालें शामिल हैं। अनुसूचित जाति, धानक, नायक, पिछड़ा वर्ग, वाल्मीकि और अन्य सामुदायिक चौपालों की मरम्मत होगी। हांसी के बरवाला रोड स्थित डीएस कॉलोनी की सैनी धर्मशाला के नवीनीकरण के लिए भी 9.93 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं।

बदले मौसम ने बढ़ाईं किसानों की धकड़नें

पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी से मौसम ने करवट ली, सामान्य से 7.3 डिग्री नीचे लुढ़का पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव के चलते मौसम में बड़ा बदलाव आया है। प्रदेश के उत्तरी जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश, कहीं-कहीं छिट-पुट ओलावृष्टि और उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी से हिसार का तापमान सामान्य से नीचे चला गया। शनिवार को शहर का अधिकतम पारा 33.9 के मुकाबले रविवार को लुढ़क कर 28.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। यह सामान्य से 7.3 डिग्री सेल्सियस कम है। दिनभर बादलवाई रहने व हवाएं चलने से मौसम में ठंडक बनी रही।

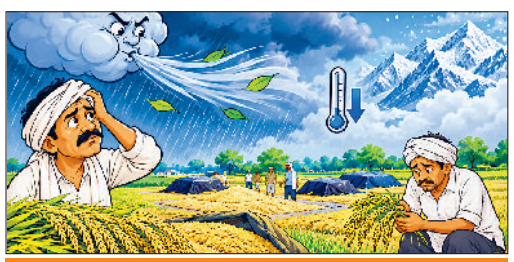

बारिश हुई तो होगा नुकसान

उधर, मौसम में आए बदलाव के कारण किसानों की धड़कनें तेज हो गई। वर्तमान में धान की कटाई जोरों पर है और हजारों क्विंटल धान की फसल मंडियों में खुले आसमान के नीचे पड़ी है। इन परिस्थितियों में बारिश होती है तो किसानों को भारी नुकसान का अंदेशा है।

जानिए...आगे कैसा रहेगा मौसम का हाल

हकृवि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार 12 अक्टूबर को प्रदेश में आंशिक बादल छाए रहने तथा हवाओं और गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान में और गिरावट आ सकती है। मौसम में आया यह बदलाव 13 अक्टूबर तक रहने के आसार हैं। इसके बाद हवाओं की दिशा में बदलाव के साथ उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 13 अक्टूबर को एक और पश्चिमी विक्षोभ पहाड़ी क्षेत्रों की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव से 14 से 16 अक्टूबर के दौरान हरियाणा में ज्यादातर स्थानों पर आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान हवाओं और गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। बारिश के चलते तापमान में गिरावट आ सकती है। इसके बाद मौसम फिर से खुश्क होने तथा उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने के आसार हैं।

1.50 लाख क्विंटल जीरी की आवक 48 हजार क्विंटल से ज्यादा की खरीद



उकलाना। उकलाना की अनाज मंडी में जीरी की आवक और खरीद लगातार जारी है। अब तक मंडी में 1,50,302 क्विंटल जीरी की आवक हो चुकी है, जबकि 48,708 क्विंटल की खरीद दर्ज की गई है। वहीं, करीब 15 हजार क्विंटल जीरी का उठान किया जा चुका है। मार्केट कमेटी सचिव सुमन ने बताया कि मंडी में प्रतिदिन नियमानुसार जीरी की खरीद की जा रही है। खरीद और उठान की प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाया जा रहा है, ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने में परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि मंडी में खरीद कार्य जारी है और किसानों की सुविधा का ध्यान रखा जा रहा है। मार्केट कमेटी अध्यक्ष इंद्र सिंह ओला ने कहा कि किसानों की फसल की खरीद सुचारू रूप से करवाना प्राथमिकता है। मंडी में खरीद व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर खरीद और उठान की प्रक्रिया को बेहतर तरीके से चलाने के प्रयास किए जा रहे हैं।



मां दुर्गा की पूजा

साल भर में नवरात्रि दो बार आती हैं। लोग चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करके अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए कामना करते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रही है, जोकि इस बार 11 अक्टूबर से शुरू 19 अक्टूबर तक चलेंगी। दुर्गा अष्टमी 18 और 19 अक्टूबर दोनों दिन मनाई जाएगी। दुर्गा अष्टमी अपने आप में खास है। इस दिन की पूजा का सबसे ज्यादा महत्व होता है। इसी तरह नवमी की पूजा का भी विशेष महत्व रहता है।

सांझी माई : जब हरियाणा की दीवारें बोलती थी

हरियाणा के लोक-सांस्कृतिक दस्तावेजों में सांझी को ग्रामीण दीवार-कला की उन परंपराओं में रखा गया है, जिनमें मिट्टी के उभरे हुए रूप दीवार पर लगाए जाते थे। यह केवल चित्र बनाना नहीं था। यह लड़कियों की अपनी छोटी-सी दुनिया थी। प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में सांझी की अवधि और विधि में थोड़ा अंतर मिलता है।



संस्कृति

रवि यादव



हरियाणा की लोक-संस्कृति में कुछ परंपराएं ऐसी रही हैं, जिनके लिए न बड़े मंदिर चाहिए थे, न महंगे सामान और न किसी पुरोहित की अनिवार्यता। घर की मिट्टी, तालाब की चिकनी मिट्टी, गोबर, फूल-पत्तियाँ, थोड़े-से प्राकृतिक रंग और लड़कियों की कल्पनाशील उंगलियां—बस इन्हीं से एक पूरी लोक-संसार रच दिया जाता था। 'सांझी माई' ऐसी ही एक परंपरा थी। आज भी हरियाणा के कुछ ग्रामीण इलाकों में इसके दर्शन हो जाते हैं, लेकिन पहले जैसी व्यापकता अब नहीं रही।

हरियाणा सरकार ने भी 2026 में इसे लुप्त होती लोककला बताते हुए इसके संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए कार्यशालाएँ शुरू की हैं। पुराने हरियाणा के गांवों में शारदीय नवरात्र के आसपास घर की कोई साफ-सुथरी दीवार अचानक साधारण दीवार नहीं रह जाती थी। उसे लीपा-पोता जाता और फिर उस पर उभरने लगती थी एक स्त्री आकृति—सांझी माई। कहीं उनका चेहरा बनाया जाता, कहीं पूरा शरीर, तो कहीं उनके चारों ओर चांद, सूरज, तारे, फूल, पक्षी, पेड़, पशु और तरह-तरह के प्रतीक सजाए जाते। मुख्य सामग्री होती थी गोबर और मिट्टी। गांव की लड़कियां तालाब या पोखर से चिकनी मिट्टी लातीं। उससे छोटे-छोटे चांद-सितारे, गहने और आकृतियां बनाकर सुखाई जाती। फिर गोबर से लीपी दीवार पर सांझी का रूप उभारा जाता और उसे खड़िया, गेरू, हल्दी, रोली, फूल-पत्तियों तथा उपलब्ध प्राकृतिक रंगों से सजाया जाता। हरियाणा के लोक-सांस्कृतिक दस्तावेजों में सांझी को ग्रामीण दीवार-कला की उन परंपराओं में रखा गया है जिनमें मिट्टी के उभरे हुए रूप दीवार पर लगाए जाते थे। यह केवल चित्र बनाना नहीं था। यह लड़कियों की अपनी छोटी-सी दुनिया थी। हरियाणा के अलग-अलग इलाकों में सांझी की अवधि और विधि में थोड़ा अंतर मिलता है। अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में इसे पितृपक्ष से दशहरे तक लगभग सोलह दिनों की परंपरा के रूप में माना गया, जबकि कई स्थानों पर इसका संबंध नवरात्र के नौ या दस दिनों से जोड़ा गया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अनुसार उत्तर और मध्य भारत में सांझी की एक परंपरा पितृपक्ष के दौरान लगभग पंद्रह दिनों तक अविवाहित लड़कियों द्वारा निभाई जाती रही है। हरियाणा के कई गांवों में अमावस्या या नवरात्र आरंभ होने के आसपास दीवार तैयार की जाती और फिर दशहरे तक प्रतिदिन उसकी सजावट और पूजा होती। इसलिए किसी एक तारीख को पूरे हरियाणा की सांझी परंपरा का नियम मानना ठीक नहीं होगा। शाम का समय इसका सबसे महत्वपूर्ण समय था। शायद इसी कारण इसका नाम 'सांझी' या 'सांझ' से जोड़ा जाता है। संध्या होते ही लड़कियां अपने काम-काज से निवृत्त होकर सांझी के सामने इकट्ठी होतीं। दीपक जलता, गीत गाए जाते और घर-आंगन में एक अलग ही वातावरण बन जाता।

सांझी माई कौन थीं ?

सांझी को लेकर पूरे उत्तर भारत में एक जैसी कथा नहीं मिलती। कहीं उन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना गया, कहीं लोकदेवी के रूप में पूजा गया और कहीं धरती, उर्वरता तथा पारिवारिक सुख-समृद्धि से उनका संबंध जोड़ा गया। हरियाणा में भी स्थानीय मान्यताओं के अनुसार उनकी कथा और रूप में अंतर दिखाई देता है। एक लोकमान्यता में सांझी को धरती और हरियाली से जोड़ा गया है। कहा जाता था कि संध्या बेला में लड़कियों और महिलाओं द्वारा सांझी की पूजा, गीत और सजावट करने से घर-परिवार तथा धरती पर सुख-समृद्धि बनी रहती है। दूसरी ओर, अविवाहित कन्याओं के लिए यह अच्छे वर और सुखी गृहस्थ जीवन की कामना से भी जुड़ी थी। अर्थात सांझी में धर्म, प्रकृति, परिवार, विवाह और लोककला सब एक साथ मिल जाते थे। लड़कियों को इतना चाव क्यों था? शायद सांझी की सबसे खूबसूरत बात यही थी। उस समय गांव की लड़कियों के लिए अपने मन की कल्पना को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने के अवसर बहुत कम थे। न मोबाइल था, न सोशल मीडिया, न डिजाइनिंग की कक्षाएं और न ही मनोरंजन के इतने साधन। सांझी की दीवार उन्हें एक ऐसा कैनवास देती थी जिस पर वे अपनी कल्पना उकेर सकती थीं। कौन-सा सितारा कहां लगेगा? सांझी की चुनरी कैसी होगी? चेहरे पर कौन-सा रंग अच्छा लगेगा? गहने कैसे बनाए जाएं? चांद के साथ तारा बड़ा हो या छोटा? इन छोटी-छोटी बातों पर सहेलियों में बहस होती होगी। और फिर यह केवल कला नहीं थी, सहेलियों का मिलन भी था। एक घर की लड़की दूसरी के घर जाती। मिट्टी लाने के लिए कई साथ निकलतीं। कोई मिट्टी गूंथती, कोई आकृति बनाती, कोई रंग भरती और कोई गीत शुरू कर देती। बड़ी उम्र की महिलाएं उन्हें देखकर सलाह देतीं और अपनी पुरानी सांझी की यादें सुनातीं। इस तरह एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को कला ही नहीं, गीत, कथा, रिश्ते और संस्कार भी सौंपती थी।

लोक परंपराएं किताबों से नहीं, अभ्यास से जीवित रहती हैं। जब मां अपनी बेटी को सांझी बनाना नहीं सिखाती, तो अगली पीढ़ी के पास केवल उसकी कहानी बचती है। इसीलिए सांझी का संकट केवल एक कला के समाप्त होने का संकट नहीं है। इसके साथ वे लोकगीत, बोलियां, सामूहिक स्त्री-अनुभव, मिट्टी से जुड़ी कला और गांव की शामों की वह आत्मीयता भी धीरे-धीरे विदा हो रही है।

मन की बात कहने का माध्यम

सांझी के साथ गाए जाने वाले लोकगीतों में देवी की स्तुति के साथ-साथ लड़की के जीवन की इच्छाएं भी झलकती थीं। कहीं अच्छे वर की कामना, कहीं सुखी घर की कल्पना, कहीं मायके की याद और कहीं सहेलियों के बीच हंसी-मजाक। इसलिए सांझी केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं थी। वह ग्रामीण लड़कियों के लिए एक तरह का सांस्कृतिक संवाद थी। जिस बात को लड़की सीधे कह नहीं सकती थी, वह गीत में कह देती थी। शादी कैसी हो, ससुराल कैसा मिले, घर में सुख-शांति रहे, भाई-बहन सुरक्षित रहें- इन सब भावनाओं के रंग सांझी के गीतों में मिल जाते थे। इसीलिए बुजुर्ग महिलाओं के लिए सांझी केवल देवी की पूजा नहीं, उनके अपने बचपन की स्मृति भी थी।

दशहरे पर विदाई

जिस सांझी को इतने दिनों तक सजाया-संवारा जाता था, उसकी विदाई भी होती थी। दशहरे के दिन या स्थानीय परंपरा के अनुसार अंतिम दिन लड़कियां सांझी को दीवार से उतारतीं। उसे किसी टोकरी, मटके या अन्य पात्र में रखकर तालाब, पोखर या जोहड़ तक ले जाया जाता और वहां विसर्जित किया जाता। कुछ स्थानों पर इस अवसर पर लड़कियां समूह में गीत गाते हुए जाती थीं। हरियाणा के गांवों में ऐसी दस दिवसीय सांझी परंपराओं का उल्लेख मिलता है। यह दृश्य अपने आप में बड़ा मार्मिक रहा होगा, जिसे लड़कियों ने इतने दिनों तक अपने हाथों से बनाया, उसे अंततः पानी को सौंप देना। शायद यही लोकजीवन का दर्शन भी था- बनाना, सजाना, प्रेम करना और फिर समय आने पर विदा कर देना।

सबसे बड़ा परिवर्तन गांव की जीवनशैली में आया है। पहले कच्ची या मिट्टी की दीवारें थीं, जिन पर गोबर और मिट्टी आसानी से चिपक जाती थी। अब पक्की दीवारें, सीमेंट, पेंट और टाइलें हैं। पहले तालाब गांव के जीवन का हिस्सा थे; अब अनेक तालाब सिकुड़ गए या उनकी भूमिका बदल गई। पहले शाम को लड़कियों के पास सामूहिक समय था; आज पढ़ाई, कोचिंग, नौकरी, टीवी और मोबाइल ने उस समय को बांट दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात- लोक परंपराएं किताबों से नहीं, अभ्यास से जीवित रहती हैं। जब मां अपनी बेटी को सांझी बनाना नहीं सिखाती, तो अगली पीढ़ी के पास केवल उसकी कहानी बचती है। इसीलिए सांझी का संकट केवल एक कला के समाप्त होने का संकट नहीं है। इसके साथ वे लोकगीत, बोलियां, सामूहिक स्त्री-अनुभव, मिट्टी से जुड़ी कला और गांव की शामों की वह आत्मीयता भी धीरे-धीरे विदा हो रही है। आज सांझी को बचाने के लिए सरकारी और सांस्कृतिक संस्थाओं की ओर से कार्यशालाएं और उत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। 2026 में हरियाणा के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग ने महिलाओं को प्रशिक्षण देकर इस लोककला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की पहल भी की है। लेकिन सांझी वास्तव में तभी बचेगी, जब वह किसी मंच की प्रदर्शनी से निकलकर फिर किसी गांव के घर की दीवार पर बनेगी। क्योंकि सांझी का असली सौंदर्य किसी प्रतियोगिता की ट्रॉफी में नहीं, उस शाम में था जब गांव की कुछ लड़कियां मिट्टी से सने हाथों के साथ एक दीवार के सामने बैठती थीं, दीपक जलता था, कोई पहली पंक्ति का गीत छेड़ती थी और बाकी आवाजें उसके साथ जुड़ जाती थीं। दीवार पर गोबर से बनी वह आकृति देखने में भले ही साधारण थी, लेकिन उसके भीतर एक पूरा संसार बसता था- मिट्टी का संसार, बेटियों का संसार, गीतों का संसार और उस हरियाणा का संसार, जहां त्योहार केवल मनाए नहीं जाते थे, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी जिए जाते थे। शायद इसलिए आज सांझी माई को याद करना केवल एक पुरानी परंपरा को याद करना नहीं है; यह उस सांझ को याद करना है, जो कभी हरियाणा के गांवों में सचमुच बहुत कुछ अपने साथ लेकर आती थी।

ग़ज़ल | राजपाल सिंह गुलिया



बेरा नां के हुई खराबी

बेरा नां के हुई खराबी,
माणस होग्ये घणे हिसाबी.

पाँ जिनके टूट्टे आर्या मैंह,
माँगैं सैं वे भी गुरगाबी.

ठेका योह बंध होना चइए,
पीकै बोल्ले कई सराबी.

घरती पर तैं खो देंगे ये,
तन्नै तेरे शौक नबाबी .

खोस लई सै नई बहू नै,
आत्याँ ही सासू तैं चाबी.

पढ़या सै पर कढ़या कोन्या,
तन्नै सै बस ग्यान किताबी.

जावै तै कित जावै 'गुलिया '
अडै सराबी , उडै कबाबी.

कविता | डॉ. त्रिलोक चंद



भाई

दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै और नहीं कोये प्यारा।
जै भाई का साथ मिलै तो, होज्या सैं पौ - बारा।।

राम लखन - सा भाई हो ,
सहयोगी अनुयाई हो,
विपदा में वही सहाई हो ,
तो दुःख तैं मिलै छुटकारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै, और नहीं कोये प्यारा।।

भरत कै जैसा त्यागी हो ,
पांडवों -सा अनुरागी हो ,
विक्रम -सा बड़भागी हो ,
तो चमकै भाग्य सितारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै ,और नहीं कोये प्यारा ।।

कृष्ण और बलराम- सा भाई,
धर्म - कर्म की राह बताई।
दुष्टों की करी खूब धुलाई,
भार धरा का टारा।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै ,और नहीं कोये प्यारा ।।

भाई -भाई का प्रेम निराळा ।
खुल जाता किस्मत का ताळा ।
भाई -भाई का रखवाळा ,
भाई त्रिलोक का सहारा ।
दुनिया मैं भाई तैं बढ़ कै, और नहीं कोये प्यारा ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रकृति का यौवन | शारदीय नवरात्र का संबंध केवल धार्मिक आस्था से नहीं, कृषि-संस्कृति से भी जुड़ा है

आसौज की गुलाबी ठंड और फसलों का मदहोश नृत्य



जनजीवन

जयदेव राठी

भादों की झड़ी थमती है और आकाश अपना धुला हुआ नीला आँचल फैला देता है। सुबह खेत की मेड़ पर पाँव रखिए तो ओस की ठंडी छुअन तलवों से होकर मन तक उतरती है। दोपहर में सूरज अब भी कुछ तीखा रहता है, लेकिन सांझ ढलते ही हवा में हल्की सिहरन घुलने लगती है। यही आसोज है, जिसे शास्त्रों में आश्विन कहा गया है। वर्षा की विदाई और शरद के आगमन के बीच खड़ा यह महीना न पूरी तरह गर्मी का है, न जाड़े का। इसमें दोनों का संतुलन है और शायद इसी कारण यह ऋतुओं का सबसे सधा हुआ महीना लगता है। युवा अवस्था की तरह आसोज में भी प्रकृति भरी-पूरी दिखाई देती है। खेतों में फसल पकने की ओर बढ़ती है, आकाश साफ होता है, नदी-नालों का पानी निर्मल होने लगता है और लोकजीवन पर्वों के उजाले से भर उठता है। धरती जैसे यौवन की देहरी पर खड़ी हो—उसके चेहरे पर हरियाली है, देह पर फसल की सुनहरी आभा और मन में आने वाली समृद्धि के सपने। संस्कृत साहित्य में शरद के इस सौंदर्य को महाकवि कालिदास ने अद्भुत रूप दिया है।

काशांशुका विकचपद्ममनोज्ञवक्त्रा
सोन्मादहंसरवनूपुरनादरम्या।
आपक्वशालिरुचिरा तनुगात्रयष्टिः
प्राप्ता शरन्नववधूरिव रूपरम्या॥

अर्थात कास के श्वेत फूल जिसके वस्त्र हैं, खिले कमल जिसका मुख हैं, हंसों की ध्वनि जिसके नूपुरों की झंकार है और पकते धान की सुनहरी आभा जिसकी देह-कांति है—ऐसी नववधू के समान शरद आ पहुँची है। भारतीय काव्य परंपरा की यही खूबी है कि वह प्रकृति को केवल दृश्य नहीं मानती, उसे जीवंत चरित्र बना देती है। तुलसीदास ने भी वर्षा की विदाई और शरद के आगमन को अत्यंत सजीव ढंग से देखा—

बरषा बिगत सरद रितु आई।
लछिमन देखहु परम सुहाई॥
फूलें कास सकल महि छाई।
जनु बरषाँ कृत प्रगट बुढ़ाई॥

वर्षा बीत गई और शरद आ गई। कास के फूलों से धरती ऐसे ढक गई, मानो वर्षा ऋतु ने अपने सफेद बाल दिखाकर विदाई ले ली हो। आसोज की प्रकृति को इससे सुंदर उपमा शायद ही मिल सके। आसोज सबसे अधिक किसान का महीना है। उत्तर भारत के गाँवों में बाजरा, ज्वार, मूंग, अरहर और धान अपनी परिपक्वता की ओर बढ़ते हैं। कहीं कपास के डोडे चटकने लगते हैं तो कहीं खेतों में दाने भरने लगते हैं। मेड़ों पर बैठे बुजुर्ग फसल का रंग और उसकी चाल देखकर आने वाले दिनों का अनुमान लगाते हैं। बच्चे खेतों में चिड़ियों को उड़ाते हैं और किसान की निगाह आसमान, मिट्टी और फसल—तीनों पर रहती है। इसी समय अगली फसल की तैयारी भी शुरू हो जाती है। यानी एक फसल घर आने को होती है और दूसरी के बीज धरती में उतरने की तैयारी करते हैं।

भारतीय संस्कृति ने अन्न को केवल भोजन नहीं माना, बल्कि जीवन का आधार माना है। पितृपक्ष की गंभीरता के बाद शारदीय नवरात्र आते हैं और वातावरण में शक्ति का संचार होने लगता है। घर-घर घटस्थापना होती है, जौ बोए जाते हैं और देवी आराधना के साथ नौ दिनों का अनुशासन शुरू होता है। देवी माहात्म्य में शरदकालीन महापूजा का उल्लेख मिलता है—



शरत्काले महापूजा क्रियते या च वार्षिकी।
तस्यां ममैतन्माहात्म्यं श्रुत्वा भक्तिसमन्वितः॥

शारदीय नवरात्र का संबंध केवल धार्मिक आस्था से नहीं, कृषि-संस्कृति से भी जुड़ा है। जौ का अंकुरण जीवन और उर्वरता का प्रतीक बनकर सामने आता है। भारतीय परंपरा में पूजा और खेती कभी एक-दूसरे से अलग नहीं रहे। खेत में बीज डालना भी एक प्रकार की प्रार्थना है और प्रार्थना के साथ श्रम करना भी एक प्रकार का यज्ञ।

नवरात्र के बाद विजयादशमी आती है। मैदानों में रावण के पुतले जलते हैं और आतिशबाजी के बीच बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दोहराया जाता है। लेकिन हर साल जलने वाला रावण हमें यह सवाल भी पूछता है कि क्या हमने अपने भीतर के अहंकार, लोभ, क्रोध और ईर्ष्या को जलाया? अगर नहीं, तो दशहरा केवल मैदान में हुआ दहन है, जीवन में नहीं। आसोज की पूर्णिमा अपनी चाँदनी के कारण विशेष है। शरद पूर्णिमा की रात को लेकर लोकविश्वास है कि चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ अमृत बरसाता है। घरों की छतों पर खीर रखने की परंपरा इसी विश्वास से जुड़ी है। हरियाणा की माटी में आसोज की अपनी ही खुशबू है। गाँवों में सांझी की परंपरा, आँगन में लोकगीत, खेतों की ओर जाते पशुओं की घंटियाँ, चौपाल पर हुक्के की गुड़गुड़ाहट और पकते बाजरे की खुशबू—ये सब मिलकर इस महीने को कैलेंडर की तारीख से कहीं बड़ा बना देते हैं। सांझ ढलते ही मिट्टी और गोबर से बनाई गई सांझी के आगे गाए जाने वाले गीत पीढ़ियों से दादी की जुबान से पोती तक पहुँचे हैं। यह लोकसाहित्य किसी विश्वविद्यालय की किताब से नहीं, गाँव के आँगन से निकला है। आसोज में प्रकृति के छोटे जीव भी जैसे उत्सव में शामिल हो जाते हैं। जब खेत भरते हैं और अन्न घर आने की उम्मीद जगती है, तब किसान के भीतर भी एक मोर नाचता है। उसकी थकान, चिंता और कठिनाइयाँ कुछ क्षणों के लिए पीछे छूट जाती हैं।

यौवन का अर्थ केवल उम्र नहीं, संभावना है। आसोज इसी संभावना का महीना है। वह सिखाता है कि पकने के लिए धूप भी चाहिए और ओस भी, श्रम भी चाहिए और धैर्य भी। केवल धूप में जलने वाला जीवन कठोर हो जाता है और केवल छाँव में रहने वाला जीवन कच्चा रह जाता है। आसोज की गुलाबी ठंड और बादलों की ओट से झाँकता सूरज इसी संतुलन का संदेश देते हैं। आज जब मनुष्य ऋतुओं से दूर होता जा रहा है और वातानुकूलित कमरों में बैठकर मौसम को मोबाइल की स्क्रीन पर देखता है, तब आसोज हमें फिर धरती की ओर लौटने का निमंत्रण देता है। खेत की मेड़ पर चलने, ओस को महसूस करने, कास के फूल देखने और किसान की आँखों में पकती फसल की चमक पढ़ने का निमंत्रण। हम सौ शरद देखें, सौ शरद जिएँ और सौ शरद तक सुनें। यह केवल दीर्घायु की कामना नहीं, प्रकृति के साथ लंबे और सार्थक जीवन की आकांक्षा है। आसोज हमें यही याद दिलाता है कि धरती जब यौवन की देहरी पर खड़ी हो, तब हमें भी अपने भीतर के जीवन को पहचानना चाहिए—माटी से जुड़कर, श्रम का सम्मान करके और उन ऋतुओं को महसूस करके, जिन्होंने हमारी संस्कृति को जन्म दिया है।

शिद्दत से काम करें, पूरी फिल्म मेकिंग सीखें : रणजीत चौहान



कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

रोहतक में जन्मे रणजीत चौहान साधारण परिवार से निकलकर आज हरियाणवी सिनेमा में निर्देशक, अभिनेता और फिल्ममेकर के रूप में पहचान बना चुके हैं। उन्होंने सुपवा से एक्टिंग में ग्रेजुएशन और सेज यूनिवर्सिटी, भोपाल से फिल्म मेकिंग में मास्टर किया है। सुपवा के दूसरे बैच (2012) के विद्यार्थी रहे रणजीत ने निर्देशन के क्षेत्र में 'मलाल' और 'मुआवजा' जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई। इन दोनों फिल्मों के लिए उन्हें बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड मिल चुका है। रणजीत चौहान ने 2017 में 'मलाल' से निर्देशन की शुरुआत की और इसके बाद 'छप्पर फाड़के', 'ओपरी हवा', 'मिडनाइट', 'शॉर्ट कट्स' और 2026 में 'लाइसेंस' जैसी फिल्मों व वेब सीरीज का निर्देशन किया।

वे 'मुद्दा 370 जेएंडके' और 'दादा लख्मी चंद' में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में भी काम कर चुके हैं। उन्होंने 'बिल्लू बदमाश', 'रोहतक के मेले में', 'टेम्परेरी प्यार', 'गुंडागढ़' और 'समझ लियो हरियाणा' सहित कई गीतों का निर्देशन किया है। अभिनेता के रूप में वे 'छलांग', 'कॉमेडी कपल', 'मुद्दा 370 जेएंडके', '1600 मीटर' और 'तोता' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। इसके अलावा 'हरियाणा क्राइम', 'अहसास', 'लाली', 'लगाव' और 'बहू काले की' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी उन्होंने अभिनय किया है। बचपन में प्रेमचंद की 'कफ़न' कहानी पढ़कर सातवीं कक्षा में ही रणजीत चौहान ने गली के बच्चों के साथ उसका नाटक करने



का सपना देखा, हालांकि तब उन्हें थिएटर के बारे में भी जानकारी नहीं थी। घर में पिता के नॉवेल पढ़ने के माहौल ने उनके भीतर कल्पनाओं और कहानियों की दुनिया बसाई और धीरे-धीरे उनमे लिखने की आदत विकसित हुई। 2009 में कविता कौशिक से मुलाकात के बाद उन्होंने एक एपिसोड लिखा, जिसके बाद उन्हें असिस्टेंट का नंबर मिला और उन्होंने सीरियल 'कुछ खोया कुछ पाया' का टाइटल ट्रैक भी लिखा। अभिनय में पर्याप्त अवसर न मिलने पर उन्होंने निर्देशन का रुख किया और इसी क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहे। रणजीत चौहान ने अनेक सफल प्रोजेक्ट्स किए हैं लेकिन 'मलाल' फिल्म को वह अपने दिल के काफी करीब मानते हैं। यह उनका पहला प्रोजेक्ट था, जो सुपवा से पास आउट होने के तुरंत बाद किया था। इस फिल्म को शूट करने के लिए उनके पास कोई पैसा नहीं था। स्वयं उनके शब्दों में -'गरीब की बेटी की शादी की तरह लोगों ने अलग-अलग तरीके से मेरी मदद की। किसी ने कैमरा दिया, किसी ने खाना दिया और किसी ने गाड़ियाँ दीं।' आगे चलकर रणजीत सिर्फ एक सफल निर्देशक ही नहीं, बल्कि लाजवाब एक्टर और राइटर भी बने। हरियाणा की मिट्टी से निकलकर निर्देशन और अभिनय में पहचान बनाने के उनके सफर की सबसे बड़ी चुनौती गरीबी और बचपन में ही पिता का साया उठ जाना रहा। इसके साथ ही उनके कंधों पर दो छोटी बहनें, एक छोटा भाई और पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी। साथ ही अभिनय का जुनून भी था। इनका बचपन संघर्षों मे बीता, यही कारण है कि इनकी फिल्मों में छोटे शहर और गाँव के किरदार बहुत वास्तविक नजर आते हैं। इन कहानियों में उन्हें सच्चाई दिखाई देती है। अभी हाल ही में इनको हाइफा फेस्टिवल में बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड मिला है। जिसके लिए वह अपने सभी गुरुजनों का और सुपवा का शुक्रिया अदा करते हैं जिन्होंने उन्हें इस काबिल बनाया। इनकी अभी हाल में रिलीज 'लाइसेंस' फिल्म बेहद सफल रही। इस फिल्म को बनाने में उन्हें अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा उन्होंने बताया कि चुनौतियाँ तो हर बार अलग रूप में आती ही हैं। हम चुनौतियों से भाग नहीं सकते। आप कुछ भी बड़ा करने की सोचेंगे तो चुनौतियाँ अलग रूप में आपके सामने खड़ी मिलेंगी। स्वयं उनके शब्दों मे -'यह मेरी पहली सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म है, तो पहला चैलेंज यही था कि ऑडियंस को फिल्म पसंद आए। इसके लिए यह सोचना भी चुनौती थी कि ऐसा क्या-क्या किया जाए कि फिल्म हर एंगल से दर्शकों को सिनेमाघर तक खींचकर लाए।' बॉलीवुड एक्टर यशपाल शर्मा के साथ काम करने के अनुभव के बारे मे रणजीत बताते हैं कि उनके साथ काम करने का अनुभव तो अच्छा ही रहा। स्वयं उनके शब्दों मे -'किस्मत भी अच्छी रही है, क्योंकि मेरी पहली फिल्म 'मलाल' में भी यशपाल सर थे। उनको देखकर ही तो फिल्मों में आए हैं। उनसे सीखने को तो मिलता ही है।' रणजीत ने सुपवा और स्टेज, दोनों के साथ काम किया है। इनके साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए वह मानते हैं कि सुपवा हरियाणा में एक क्रांति है, जिसने कलाकारों को तैयार किया और ऐसा मंच दिया कि आज काम के लिए मुंबई जाने की जरूरत नहीं पड़ती। स्टेज ऐप ने इस काम को आगे बढ़ाते हुए कलाकारों को अपनी कला दिखाने के साथ कमाई का अवसर भी दिया और नए टैलेंट को भी सामने लाया। कुल मिलाकर,

लाइसेंस' मेरी पहली सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म है, तो पहला चैलेंज यही था कि ऑडियंस को फिल्म पसंद आए। इसके लिए यह सोचना भी चुनौती थी कि ऐसा क्या-क्या किया जाए कि फिल्म हर एंगल से दर्शकों को सिनेमाघर तक खींचकर लाए।

सुपवा ने कलाकार तैयार किए और स्टेज ने उन्हें प्लेटफॉर्म देकर हरियाणवी सिनेमा को मजबूत आधार दिया। रणजीत के अनुसार हरियाणा के सिनेमा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए जो हरियाणा के प्रसिद्ध अभिनेता या फिल्म मेकर हैं और बाहर बॉलीवुड में काम कर रहे हैं, उन्हें हरियाणा में भी काम करना चाहिए। हालांकि सरकार भी फिल्म बनाने के लिए पॉलिसी लेकर आई है, लेकिन उससे फ़ायदा तभी होगा जब फिल्म पॉलिसी हर साल मिले। चार साल में एक बार पॉलिसी मिलेगी तो सिनेमा कहाँ बड़ा होगा। रणजीत मानते हैं कि क्षेत्रीय सिनेमा को अब ज्यादा सम्मान और अवसर मिल रहे हैं। इसका कारण यह है कि अब फिल्म बनाने के लिए मुंबई नहीं जाना पड़ता। जब हर क्षेत्र में काम होगा तो सम्मान और अवसर भी मिलेंगे। नए लोगों के लिए रणजीत चौहान संदेश देते हैं कि शिद्दत से काम करें और पूरी फिल्म मेकिंग सीखें। इसमें एक्टिंग, डायरेक्शन, राइटिंग, एडिटिंग, सिनेमैटोग्राफी, लाइटिंग और मार्केटिंग इन सभी का ज्ञान होना चाहिए। तब आप किसी एक विधा में सफल हो पाएँगे। सभी चीजों की जानकारी रखें और मेहनत करते रहें।

खबर संक्षेप

खेत में पराली जलाई तो होगी कार्रवाई: एसपी

हांसी । धान की कटाई के सीजन में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए हांसी पुलिस ने किसानों से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग की अपील की है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने कहा कि



किसान पराली को आग लगाने के बजाय उसका उचित प्रबंधन करें। पराली जलाने से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण बढ़ाता है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पराली जलाने की घटनाओं पर सैटेलाइट आधारित प्रणाली से भी निगरानी रखी जा रही है। एसपी ने कहा कि पराली जलाने से मिट्टी के लाभकारी सूक्ष्म जीव प्रभावित होते हैं और उसकी उर्वरता को नुकसान पहुंच सकता है।

राखीगढ़ी महोत्सव में महिलाएं दिखाएंगी हुनर

नारनौंद । राखीगढ़ी महोत्सव में हस्तकला एवं प्राचीन धरोहर प्रदर्शनी में भाग लेने आसपास के ग्रामीणों को भी आमंत्रित किया जा रहा है ताकि वह अपनी कला का जादू लोगों को दिखा सके। ग्रामीण महिलाएं आज भी अपने हाथों से हस्तकला से संबंधित बहुत सारी चीज तैयार करके घरों को सुधारने का काम करती हैं लेकिन उन्हें मंच न मिलने के कारण उनकी प्रतिभा दबी रह जाती है। राखीगढ़ी महोत्सव का 19 से 25 अक्टूबर तक भव्य आयोजन होगा। इस आयोजन में राखीगढ़ी के पड़ोसी गांव हैबतपुर, मिर्चपुर, बुडाना, मिलकपुर, राजथल के ग्रामीणों को भी इस महोत्सव में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिए गए हैं।

2022 के मामले का बेल जंपर आरोपी गिरफ्तार

हिसार । न्यायालय में पेशी से बचने वाले और कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करने वाले आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस के पीओ स्टाफ ने एक बेल जंपर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पानीपत जिले के उगराह खेड़ी निवासी एवं महाबीर कॉलोनी में रह रहे अजय के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे जिंदल चौक से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ वर्ष 2022 में थाना शहर हिसार में मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में न्यायालय की निर्धारित प्रक्रिया के तहत पेश नहीं होने पर वह बेल जंपर हो गया था। अभियान के तहत पीओ स्टाफ ने कार्रवाई करते हुए उसे काबू कर लिया।

अराजकता फैलाने की साजिश नाकामयाब होगी : मलिक

हिसार । पीएम नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के लोकसभा हिसार संयोजक प्रो. मनदीप मलिक ने आरोप लगाया कि दिल्ली में जो आंदोलन के नाम पर अराजकता फैला कर देश में माहौल खराब करने की कोशिश जो लोग कर रहे है, वे सब विदेशी फंडिंग से किया जा रहा है, ताकि भारत के विश्व में बढ़ते प्रभाव को रोक जा सके। प्रो. मलिक ने कहा कि राहुल गांधी समेत सब लोग जो इस फर्जी आंदोलन में शामिल हो रहे है वो सब प्रजातंत्र का मजाक उड़ा रहे हैं। प्रो. मलिक ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी टीम देश के लोगों का दिल तो जीत नहीं सकी, आज कुछ विदेशी फंडिंग पर आंदोलन करने वालों के पीछे खड़े हो कर अपनी खीज मिटा रहे हैं।

खेत से बाजरा चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

हिसार। दौलतपुर में खेत से बाजरे के चार कट्टे चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान गांव दौलतपुर निवासी प्रवीण और सनी के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरीशुदा बाजरे के चार कट्टे बरामद किए हैं। आरोपी सनी के खिलाफ पहले भी चोरी के दो मामले दर्ज हैं। थाना उकलाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि दौलतपुर निवासी शक्ति ने शिकायत दी थी कि उसके खेत से बाजरे के चार कट्टे चोरी हो गए हैं। शिकायत पर मुख्य सिपाही जितेंद्र सिंह ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सनी और प्रवीण को गिरफ्तार कर लिया।

कैंपर मंगवाकर बुझानी पड़ रही प्यास, क्षेत्रवासियों ने दरगाह के सामने दिया धरना

वार्ड-1 में सफाई, दूषित पेयजल और बेसहारा पशुओं से लोग तंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

शहर के वार्ड-1 में चार कुतुब गेट स्थित दरगाह के सामने सफाई, सीवरेज व्यवस्था और बेसहारा पशुओं की समस्या को लेकर वार्डवासियों ने धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए और नगर परिषद के प्रति नाराजगी जताते हुए समस्याओं के जल्द समाधान की मांग की। लोगों का कहना था कि शहर में मूलभूत सुविधाओं की बदहाली के कारण उन्हें रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी राजकुमार कांगड़ा ने कहा कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। गलियों में गंदगी और बेसहारा पशुओं की मौजूदगी से लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने पेयजल व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि नलों में साफ पानी नहीं आ रहा और पेयजल में सीवरेज के दूषित पानी की मिलावट की शिकायत भी है। इसके चलते लोगों को पीने के पानी के लिए कैंपर मंगवाने पड़ रहे हैं। लोगों ने मांग की कि पेयजल आपूर्ति की जांच करवाकर समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। छतों पर बंदर और गलियों में कुत्तों का डर उमरा गेट निवासी चिराग ने कहा कि घरों की छतों पर बंदरों की आवाजाही से लोग परेशान हैं, जबकि गलियों में बेसहारा कुत्तों का डर बना रहता है।



हांसी। सीवरेज, सफाई व बेसहारा पशुओं की समस्या के समाधान की मांग लेकर चारकुतुब दरगाह के समक्ष प्रदर्शन करते स्थानीय नागरिक।

जल्द होगा अलॉट : अध्यक्ष

नगर परिषद अध्यक्ष प्रवीण इलाहाबादी ने बताया कि बेसहारा पशुओं, बंदरों और कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए करीब अढ़ाई महीने पहले टेंडर लगाया गया था। हालांकि, टेंडर खुलने के समय नगर परिषद के कार्यकारी अभियंता मौजूद नहीं होने के कारण इसे अलॉट नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा कि टेंडर जल्द अलॉट करवाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, ताकि समस्या के समाधान की दिशा में काम शुरू हो सके।

27 वार्डों में अभियान चलाने का ऐलान

समाजसेवी सन्नी इलाहाबादी ने कहा कि शहर को गंदगी और बेसहारा पशुओं की समस्या से मुक्त करवाने के उद्देश्य से वार्ड-1 से अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान के तहत शहर के सभी 27 वार्डों में जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा और उनकी समस्याओं को उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ वातावरण और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। वार्ड-6 निवासी मोनू संधू ने भी लोगों की समस्याएं उठाते हुए नगर परिषद से जल्द कार्रवाई करने की मांग की।



हांसी। श्री कृष्णा प्रणामी पब्लिक स्कूल में आयोजित क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में भाग लेते अध्यापक। फोटो : हरिभूमि

क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में 60 अध्यापकों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

श्री कृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल में मूल्य शिक्षा विषय पर एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें स्कूल के 60 अध्यापकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और अच्छे संस्कारों के विकास के लिए प्रभावी शिक्षण विधियों से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति श्वेता और एकता ने शिक्षकों को नैतिकता, अनुशासन, सहानुभूति, ईमानदारी, जिम्मेदारी, सहयोग और दूसरों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के व्यावहारिक तरीके बताए। संवादात्मक सत्रों के माध्यम से कक्षा शिक्षण में मूल्य शिक्षा को शामिल करने के उपयोगी सुझाव भी साझा किए गए। दोनों वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण करना और उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। नैतिक मूल्यों से युक्त शिक्षा बच्चों के व्यक्तित्व को निखारने और उनके सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने दोनों संसाधन व्यक्तियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने उनके मार्गदर्शन के लिए आभार जताते हुए सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

'हमारा प्यार हिसार' ने डाबड़ा चौक मार्केट में चलाया पेंटिंग अभियान



हिसार। 'हमारा प्यार हिसार' संस्था ने डाबड़ा चौक मार्केट एसोसिएशन के सहयोग से मार्केट की सड़क के डिवाइडरों पर रंग-रोगन कर उन्हें आकर्षक और सुंदर स्वरूप प्रदान किया। संस्था की ओर से नियमित रूप से चलाई जा रही इन साप्ताहिक गतिविधियों का उद्देश्य नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से हिसार को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाना है। इसके साथ ही बच्चों और युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण तथा सेवा भावना को बढ़ावा देना भी अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. एसके गर्ग, डॉ. राज वर्मा, प्रो. हरीश भाटिया, डॉ. मंगलसेन मलिक, राजेन्द्र गहलोत, मार्केट एसोसिएशन के प्रधान अनिल नारंग, संरक्षक डॉ. प्रदीप गोयल, सचिव भूपेन्द्र चावला, अदेश मलिक, कमल भाटिया, मंजू पुनिया, डॉ. बीबी बांगा, राजबीर दुहन, सत्येंद्र यादव, जितेंद्र बंसल, गगन मेहता, युद्धवीर पान्नू, मंदीप पूनिया, विजय कादियान, सचिन, ममता छाबड़ा, सुहासिनी, पायल सिंघा, राजन वर्मा, मनीष गोयल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय दुकानदारों व गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

डी ग्रुप कर्मियों को तीन माह से वेतन नहीं

- महिला रसोइयों के शोषण पर आंदोलन की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन की जिला कमेटी की बैठक रविवार को सर्व कर्मचारी संघ कार्यालय में जिला प्रधान छबीलदास मौलिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव जगसीर खेदड़ ने किया। बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं और सरकार की नीतियों के खिलाफ आगामी आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार कर्मचारी एवं जनविरोधी नीतियां लागू कर रही है।



हिसार। हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

24 घंटे काम, पांच साल से बढ़ोतरी नहीं

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों और आरोही मॉडल स्कूलों में कार्यरत महिला रसोइयों से 24 घंटे काम लिया जा रहा है। इसके बावजूद उन्हें पिछले तीन महीनों से वेतन नहीं मिला है। वहीं, पिछले पांच वर्षों से उनके वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। नेताओं ने इसे महिला कर्मचारियों का शोषण बताते हुए उनकी समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इन विद्यालयों में कार्यरत महिला कर्मचारियों की जल्द ही अलग बैठक बुलाई जाएगी। इसमें उनकी समस्याओं पर विचार-विमर्श कर आगामी आंदोलन की घोषणा की जाएगी। बैठक में सर्व कर्मचारी संघ के जिला सह सचिव मास्टर विनोद, यूनियन के सह सचिव ईश्वर सिंह मुवाल, तरसेम सहित अन्य कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

फसल खरीद में किसानों से लूट का आरोप

किसान सभा 14 को मार्केट कमेटी कार्यालयों पर करेगी तालाबंदी

हिसार। 'संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर फसल खरीद में किसानों के साथ हो रही कथित लूट के विरोध में 14 अक्टूबर को प्रदेशभर में सभी मार्केट कमेटी कार्यालयों पर तालाबंदी कर तीन घंटे प्रदर्शन किया जाएगा। अखिल भारतीय किसान सभा हिसार के जिला प्रधान कपूर सिंह बगला और जिला सचिव सरबत सिंह पूनिया ने कहा कि मंडियों में फसलों की खरीद में किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। एमएसपी से नीचे फसलें बिक रही हैं और खरीद के लिए लगाई गई शर्तों के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसान नेताओं ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा ने विभिन्न किसान संगठनों के साथ मिलकर किसानों के मुद्दों पर प्रदेशव्यापी एकजुट संघर्ष करने का निर्णय लिया है। आंदोलन की शुरुआत मंडियों में धान और बाजरे की खरीद में कथित अनियमितताओं के विरोध से की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि धान और बाजरे की खरीद पर प्रति एकड़ सीमा, जिलों से संबंधित शर्तें, पोर्टल के माध्यम से किसानों को परेशान करने और अवैध कटौती जैसी समस्याओं से किसान जूझ रहे हैं। कपूर सिंह बगला और सरबत सिंह पूनिया ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम कीमत पर बिकने से रोकने में विफल रही है।



होली चाइल्ड में सीबीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिक्षकों को नई शिक्षण तकनीकों व आर्ट इंटीग्रेशन से कराया परिचित



हिसार। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

हिसार। होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से सीबीएसई के तत्वावधान में सीबीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य विषय ' आर्ट इंटीग्रेशन रहा। प्रशिक्षण सत्र के दौरान रिसोर्स पर्सन प्रगति सिंह एवं कविता भाकर ने शिक्षकों को कला एकीकरण की अवधारणा, उसके महत्व तथा कक्षा शिक्षण में इसके व्यावहारिक उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न गतिविधियों एवं उदाहरणों के माध्यम से शिक्षकों को नई शिक्षण तकनीकों से परिचित कराया गया।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक आर.एस. सिंधु ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नवीन शिक्षण पद्धतियों को अपनाना समय की आवश्यकता है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के ज्ञान एवं कौशल को समृद्ध करने के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या अनीता पन्नू दलाल ने रिसोर्स पर्सन का आभार व्यक्त किया।

उदयवीर बने ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन की नई कार्यकारिणी के प्रधान



हांसी। लाला हुकुमचंद जैन पार्क में आयोजित मीटिंग में भाग लेते ग्रामीण सफाई कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

हांसी। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन, जिला हांसी की बैठक राज्य प्रधान बसाऊ राम की अध्यक्षता में लाला हुक्म चंद जैन पार्क में आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से डाटा निवासी उदयबीर को जिला प्रधान चुना, जबकि सतीश को उपप्रधान की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा बेदपाल, प्यारे लाल, चरणदास, बलराज, रामप्रसाद, सज्जन डाटा, कुलदीप, वीना और ज्योति को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। राज्य प्रधान बसाऊ राम की अध्यक्षता में हुए इस गठन के दौरान संगठन की एकजुटता और कर्मचारियों के हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों से उम्मीद जताई गई कि वे ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे और उनके अधिकारों के लिए संगठनात्मक स्तर पर प्रयास करेंगे।

सरस्वती स्कूल के विद्यार्थियों ने किया कुरुक्षेत्र का शैक्षणिक भ्रमण



उकलाना। शैक्षिक भ्रमण करते सरस्वती हाई स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ उकलाना

सरस्वती हाई स्कूल की ओर से विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन और सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र का शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। इसमें 71 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. केसी शर्मा, प्रिंसिपल पूनम धीमान तथा अध्यापक भारत सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुनीता डावर, अमरप्रीत कौर और कोमल सहित अन्य शिक्षक विद्यार्थियों के साथ रहे। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने ज्योतिसर, ब्रह्मसरोवर, हरियाणा धरोहर संग्रहालय, श्रीकृष्ण संग्रहालय तथा कल्पना चावला म्यूजियम और विज्ञान केंद्र का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से विज्ञान और आधुनिक तकनीक से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त कीं। इस दौरान उन्हें हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, भारतीय इतिहास, धार्मिक विरासत और वैज्ञानिक उपलब्धियों को करीब से जानने का अवसर मिला। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन डॉ. के. सी. शर्मा व प्रिंसिपल पूनम धीमान ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ शैक्षिक भ्रमण भी जरूरी हैं।

जुगलान गांव को स्वच्छ करके लगाएंगे 10 हजार पौधे : हरि सिंह



हिसार। ग्रीन ग्लोबल ग्रुप हिसार और जुगलान गांव के वासियों सहयोग से गांव में सरकारी स्कूल के सामने पांचवें चरण में इंद्रदेव शास्त्री और सरपंच, पंच, जुगलान गांव के कर्मठ कार्यकर्ता, गांव की मातृशक्ति, बच्चे, बुजुर्ग, नौजवान और दीपक राणा अकादमी की युवा विंग के साथ रविवार को लगभग 650 पौधों का पौधरोपण किया। इन पौधों में बरगद, पीपल, नीम, इमली, जामुन, अमरुद, अर्जुन, लेसुवा, कनेर, बालम खीरा आदि प्रमुख थे। लोगों का जोश देखते ही बनता था। ग्रीन ग्लोबल ग्रुप हिसार के सदस्य हरि सिंह का कहना है कि सभी को पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने के लिए अपना योगदान देना चाहिए।

शिक्षा, जागरूकता, समानता और भाईचारे का केंद्र बनेगा गुरु घर और पुस्तकालय : शेखर

हिसार। संत शिरोमणि गुरु रविदास ट्रस्ट की ओर से मिर्जापुर रोड स्थित कौशिक नगर में निर्माणाधीन गुरु घर एवं पुस्तकालय के लेंटर निर्माण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और निर्माण कार्य में सहयोग दिया। ट्रस्ट के प्रधान शेखर रंगा ने सभी सहयोगियों, समाज के गणमान्य व्यक्तियों, युवाओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु घर एवं पुस्तकालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि शिक्षा, जागरूकता, समानता और भाईचारे को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। इसका उद्देश्य संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक करना और बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाना है।

पंडित रामकिशन व्यास पूरे प्रदेश में थे विख्यात सांगी : जोगीराम सिहाग

स्वर्गीय रामकिशन व्यास के जन्मोत्सव पर दो दिवसीय सांग का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

पंडित स्वर्गीय रामकिशन व्यास के 101 वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर दो दिवसीय सांग का शुभारंभ पूर्व विधायक जोगीराम सिहाग ने रिबन काटकर किया। उनके जन्मोत्सव के अवसर रविवार को विख्यात सांगी मोनू राणा ने रूपकला जादू खोरी के सॉन्ग का आयोजन कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी, सोमवार को रमेश पाई धर्म की जीत पर सांग आयोजित करेंगे। इससे पूर्व शुभारंभ अवसर पर पूर्व विधायक सिहाग ने बताया कि स्वर्गीय पंडित रामकिशन व्यास पूरे प्रदेश में विख्यात सांगी होते थे। उनके द्वारा जो भी सांग आयोजित किए जाते थे। उनकी पूरे प्रदेश में अलग ही पहचान थी. सांग आज भी पुरानी संस्कृति के रूप में जाने जाते हैं। हमें अपनी पुरानी संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि समाज में जागरूकता लाने के लिए उन्होंने सैकड़ो सांगों का आयोजन करके समाज में जागरूकता लाने का काम किया था पहले मनोरंजन के साधन नहीं होते थे। इसलिए सांगो के माध्यम से लोग मनोरंजन भी करते थे। लोगों को आज के युग से निकलकर पुरानी सभ्यताओं से जुड़ी विरासत को देखना चाहिए। सांग हमारी पुरानी विरासत है।



नारनौंद। सांग का शुभारंभ करते हुए पूर्व विधायक जोगीराम सिहाग व अन्य।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर देवेंद्र व्यास, चेयरमैन उदय सिंह लोहान, चेयरमैन शमशेर कुकन, पार्षद राजबीर खेड़ी, सुरेश एमसी, सुभाष जांगड़ा, सतनारण शास्त्री, दीपक शांडिल्य, वाइस चेयरमैन सोनू नरवाल, अमित सैनी, मुकेश गौतम, सतीश भोला, अशोक रोहिला, टेकराम शर्मा आदि विशेष तौर पर मौजूद थे।

छात्राओं के नाम एक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें: आर्य



हिसार। विश्व बालिका दिवस के अवसर पर गांव डोभी स्थित कन्या गुरुकुल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मेरा युवा भारत केंद्र हिसार एवं आजाद हिंद युवा क्लब गांव किरतान के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और बालिकाओं के सम्मान का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में कुलपति बलजीत सिंह आर्य मुख्य अतिथि रहे। कुलपति बलजीत सिंह आर्य ने कहा कि विश्व बालिका दिवस पर प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा बालिका के नाम पर लगाना चाहिए, ताकि यह दिन पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ यादगार बन सके। उन्होंने कहा कि पौधारोपण कर हम पर्यावरण को बचाने के साथ खुद को और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं स्वस्थ रखने में योगदान दे सकते हैं। प्रदूषण मुक्त भारत का निर्माण करना हम सभी का कर्तव्य है। पौधे लगाना राष्ट्र के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, क्योंकि एक पौधा आने वाले समय में अनेक लोगों के जीवन को सुरक्षित रखने में सहायक बन सकता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आह्वान किया कि वे विशेष अवसरों पर पौधारोपण करें और लगाए गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाएं, ताकि पर्यावरण संरक्षण का यह प्रयास सार्थक हो सके। कार्यक्रम में गांव किरतान से आजाद हिंद युवा क्लब के प्रधान कपूर सिंह आर्य, गुरुकुल के अधिष्ठाता परमजीत आर्य, माता भुला देवी, भावना, एंजल, जयश्री, चहक, कविता, अनिता, मनजीत, उषा, पिंकी, सरोज, किरण और शकुंतला सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

श्रीकुमार स्वामी महाराज 25 को आएंगे अग्रोहा धाम

हिसार। अग्रोहा धाम में 25 अक्टूबर की सायं दुःखों का निवारण, कष्टों का समाधान एवं जीवन में सुख-शांति का दिव्य मार्ग प्रशस्त करने के लिये अद्भुत एवं दिव्य प्रभु-कृपा समागम का आयोजन किया जाएगा। इस पावन अवसर पर अनंत श्रीविभूषित जगद्गुरु महामंडलेश्वर श्रीकुमार स्वामीजी महाराज विशेष रुप से उपस्थित होकर श्रद्धालुओं का कल्याण करेंगे। उनकी पावन उपस्थिति से इस दिन अग्रोहा धाम में लगने वाले मेले की गरिमा और बढ़ेगी। आयोजन समिति के प्रवक्ता ने समस्त भक्तजनों और नागरिकों से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पावन अवसर का लाभ उठाएं।

नवरात्रों के उपलक्ष्य में मलिक चौक पर भंडारा

हिसार। शारदीय नवरात्रों के उपलक्ष्य में लाला हरिचंद सेवा सदन, खाटू धाम के सेवादार व गर्ग रियल एस्टेट के स्वामी दीपक गर्ग की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मलिक चौक पर आठ दिवसीय भंडारे का आयोजन किया गया। समाजसेवी दीपक गर्ग ने बताया कि प्रथम नवरात्रे के दिन माता की पूजा-अर्चना के बाद 16वां भंडारा चलाया गया। रोजाना लगभग एक हजार से अधिक लोग भंडारा ग्रहण करेंगे। नवरात्रों में 18 अक्टूबर तक रोजाना प्रातः 11 बजे से दोपहर दो बजे तक भंडारे का वितरण किया जाएगा।

सिद्धि विनायक मंदिर में मनाई शनिश्चरी अमावस्या

हिसार। प्रभु प्रेमी संघ की हिसार शाखा की ओर से शनिश्चरी अमावस्या के उपलक्ष्य में पुष्पा कॉम्प्लेक्स स्थित सिद्धि विनायक मंदिर एवं सिद्ध श्रीशनिदेव मंदिर में भजन-कीर्तन और भंडारे का आयोजन किया गया। नगर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने शनिदेव की पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया। प्रभु प्रेमी संघ के सदस्यों ने विशेष पूजन के साथ शनिदेव का पंचामृत स्नान और तेलाभिषेक किया। इसके बाद मंगल आरती और गणेश वंदना के साथ भजन-कीर्तन का शुभारंभ हुआ। भजन गायक एसके डोगरा, डॉ. संजय अरोड़ा, डॉ. दीनदयाल, मोना श्याम दिवानी, प्रिंस हैरी, निशा शर्मा एवं सखियां, सुमित मित्तल, संजय सिंगल, कृष्णा कंसल, मीनू अरोड़ा, रागनी उपाध्याय और खुशबू ने शनिदेव की महिमा का गुणगान किया। भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे।

बुड्ढा खेड़ा में 29 बोतल बीयर सहित आरोपी काबू

हिसार। उकलाना पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई करते हुए गांव बुढ़ाखेड़ा से एक आरोपी को 29 बोतल बीयर सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कुलदीप के रूप में हुई है। उकलाना थाना प्रभारी कुलदीप ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त और जांच कर रही थी। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने गांव बुढ़ाखेड़ा में कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 29 बोतल बीयर बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

आज विश्वामित्र आगमन, अहिल्या उद्धार व पुष्प वाटिका का रहेगा प्रसंग

पुराना गवर्नमेंट कॉलेज मैदान में पूरे विधि-विधान से कटला रामलीला का शुभारंभ

नारद मोह व पृथ्वी के सबसे पहले मानव के प्रसंग से हुआ रामलीला का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

कटला रामलीला का शुभारंभ पूरे विधि-विधान से पुराना गवर्नमेंट कॉलेज मैदान में किया गया। पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने रामलीला के शुभारंभ की परंपरा का निर्वहन किया। इस अवसर पर चिकित्सक डॉ. अजय महाजन बतौर अति विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। इस दौरान मदनलाल गोयल, नरेश सिंगल, दयानंद सिंगल, प्रदीप अग्रवाल व मनीराम गोयल सहित काफी गणमान्य लोग अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि रामलीला देखते समय तर्क से काम मत लें केवल आस्था से काम लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि रामलीला देखकर रिश्तों का महत्व पता चलता है कि भाई-भाई के प्रति कैसा स्नेह होना चाहिए। इस दौरान श्री रामलीला कमेटी कटला के प्रधान विनोद गुप्ता, सचिव ललित गोयल, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार लोहिया, उप प्रधान अनूप बिंदल, सह सचिव राजकुमार जैन, कार्यकारिणी सदस्य विनोद कंसल, राजेश बंसल, राधेश्याम अग्रवाल, चंद्रभान सोनी, दिनेश जैन व प्रवीन सिंगल विशेष रूप से उपस्थित रहे। रामलीला में अशोक शर्मा ने मंच संचालन किया। श्री रामलीला कमेटी कटला के प्रधान विनोद गुप्ता ने बताया कि रामलीला के शुभारंभ पर नारद मोह व पृथ्वी के सबसे पहले मानव के प्रसंग का मंचन किया गया। उन्होंने बताया कि वृंदावन के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्वामी श्रीराम वल्लभ शर्मा के सान्निध्य में उच्चकोटि के कलाकारों द्वारा श्रीराम के चरित्र की लीलाओं का भव्य मंचन शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर को विश्वामित्र आगमन, अहिल्या उद्धार व पुष्प वाटिका का प्रसंग रहेगा।



हिसार। कटला रामलीला के पहले दिन नारद मोह का मंचन करते वृंदावन के कलाकार ।

77 साल पुरानी ऐतिहासिक रामलीला का शंखनाद



नारनौंद। उपमंडल के गांव लोहारी राघो में 77 साल पुरानी ऐतिहासिक रामलीला का ध्वजारोहण के साथ शंखनाद हो गया। श्रीरामा रामलीला क्लब के बैनर तले आयोजित इस धार्मिक महोत्सव का शुभारंभ गांव के सरपंच प्रतिनिधि रितिक सरोहा व डॉ. अजमेर सिंह ने ध्वजारोहण कर किया। इस दौरान श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक आस्था का माहौल देखने को मिला। क्लब के कलाकारों ने मुख्य अतिथियों को भगवान श्रीराम दरबार का स्मृति चिह्न भेंट कर जोरदार स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि गांव लोहारी राघो में इस ऐतिहासिक रामलीला की शुरुआत वर्ष 1949 में हुई थी। करीब सात दशक से अधिक समय से चली आ रही यह परंपरा आज भी ग्रामीणों की आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बनी हुई है। रामलीला की ख्याति ऐसी है कि हर साल इसके मंचन को देखने के लिए दूसरे प्रदेशों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस अवसर पर श्रीरामा रामलीला क्लब के प्रधान सेवक गुलशन भ्याना, डायरेक्टर मुनीष चराया, जिंदर मुंडा, ईश्वर सिंह, गोपी, कैशियर जयपाल, राजकुमार सेठी, ध्यान सिंह, पूर्व सरपंच ओमप्रकाश, गौशाला प्रधान बनारसी सहित सभी कलाकार, गांव के अनेक गणमान्य व्यक्ति तथा भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

नारद मोह का किया मंचन

हिसार। श्री बद्री-केदार रामलीला समिति, विद्युत नगर की ओर से रविवार की रात्रि को विधिवत मंच शुद्धिकरण एवं हवन-यज्ञ के उपरांत गणपति वंदना के साथ श्री रामलीला का भव्य शुभारंभ किया गया। रामलीला का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिजली निगम के डायरेक्टर ऑप्रेशन इंजीनियर मुकेश चौहान द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिजली निगम के इंजीनियर एफआर नकवी ने की। रामलीला के प्रथम दिन नारद मोह तथा रावण, कुंभकरण एवं विभीषण की घोर तपस्या का मनमोहक मंचन किया गया। वृंदावन धाम, मथुरा (उत्तर प्रदेश) से आए स्वामी देवेंद्र शास्त्री के निर्देशन में आए कलाकारों ने सुंदर मंच सज्जा, मधुर भजन-संगीत एवं प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंचन के दौरान देवर्षि नारद की तपस्या, विश्वमोहिनी के रूप पर उनका मोहित होना तथा भगवान विष्णु की लीला के माध्यम से नारद मोह की कथा को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही रावण द्वारा अपने भाइयों कुंभकरण एवं विभीषण के साथ घोर तपस्या करना और उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी द्वारा वरदान प्रदान किए जाने के प्रसंग को भी जीवंत रूप में दर्शाया गया। इस अवसर पर रामलीला समिति के चेयरमैन मुकेश रावत, प्रधान प्रेम सिंह रावत, उपप्रधान उपेंद्र शर्मा, महासचिव अनिल भट्ट, कोषाध्यक्ष गजेंद्र सिंह गुसाईं, अनुसूया प्रसाद, दयाकिशन हरबोला, हरीश भट्ट, जगत राम (जौकर), अनिल नेगी सहित समिति की समस्त कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित रहे।



आदमपुर में रामलीलाओं का मंचन शुरू

आदमपुर। अनाज मंडी में आदमपुर की ऐतिहासिक रामलीला श्रीलक्ष्मी कला मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट के बैनर तले व्यापार मंडल के सहयोग से 61वें भव्य रामलीला मंचन का शुभारंभ किया गया। पहले दिन लीला का शुभारंभ आदमपुर के विधायक चंद्रप्रकाश जांगड़ा, समाजसेवी घीसाराम जैन, सरपंच जगतपाल अग्रवाल, व्यापार मंडल संरक्षक तरसेम गोयल, व्यापार मंडल अध्यक्ष नवीन बैनीवाल, सुभाष गोयल ऐलनाबाद, दीपक गोयल, सतबीर जिंदल, अनुज गोयल, त्रिलोक बंसल, शेरसिंह यादव, जय मां दुर्गा सेवा मंडल के अध्यक्ष युधिष्ठिर बंसल आदि ने भगवान श्रीगणेश के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। रामलीला के शुभारंभ पर नारद मोह लीला का भी मंचन किया गया। उसके बाद पितृ भक्त श्रवण लीला का मंचन किया गया। लीला के दौरान रावण-नंदी संवाद आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अलावा जवाहर नगर में श्री गणेश रामलीला का शुभारंभ समाजसेवी दयानंद जैन, श्याम गर्ग, जिला पार्षद वीर सिंह राड़, सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप ज्याणी, धर्मपाल मांजू, नरषोत्तम मेजर ने सयुंक्त रूप से किया।

सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल बनी आदमपुर की गणेश रामलीला



आदमपुर। कॉलेज रोड पर पिछले 25 वर्षों से आयोजित हो रही गणेश रामलीला सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश कर रही है। इस रामलीला में हिंदू और मुस्लिम युवक मिल-जुलकर विभिन्न पात्रों की भूमिकाएं निभाते आ रहे हैं। इस बार भी मुस्लिम युवक नारद, राजा दशरथ, कैकेयी सहित कई अन्य पात्रों का अभिनय कर रहे हैं। रामलीला में संगीत की जिम्मेदारी भी मुस्लिम युवक हुसैन मोहम्मद संभाल रहे हैं। रामलीला में नारद की भूमिका शरीफ मोहम्मद, राजा दशरथ की भूमिका हनीफ मोहम्मद और कैकेयी की भूमिका साजिद निभा रहे हैं। खास बात यह है कि अब इन युवकों के छोटे-छोटे बच्चे भी रामलीला में भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। इस तरह यह आयोजन आपसी भाईचारे और मिल-जुलकर रहने की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। यह रामलीला उन लोगों के लिए भी एक संदेश है, जो अपने राजनीतिक हित साधने के लिए लोगों को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का प्रयास करते हैं। रामलीला के मंच पर विभिन्न समुदायों के युवाओं की साझा भागीदारी यह दर्शाती है कि कला और संस्कृति लोगों को जोड़ने का माध्यम बन सकती हैं। यदि देशवासी भी इसी तरह आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के साथ रहें तथा देश की मजबूती के लिए मिलकर काम करें, तो समाज में एकता और विश्वास को और मजबूत किया जा सकता है।



हिसार। महिला आश्रम के लोकार्पण समारोह में उपस्थित गणमान्य लोग।

आचार्य श्री विद्या समय शरणम मोक्ष वृद्ध व महिला आश्रम का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- आचार्य श्री विद्या समय शरणम मोक्ष वृद्ध व महिला आश्रम कायम करेगा सेवा की मिसाल

बुजुर्गों की सेवा व संभाल का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करने वाले मोक्ष वृद्धाश्रम की चौधरीवास में स्थित नई शाखा आचार्य श्री विद्या समय शरणम मोक्ष वृद्ध व महिला आश्रम का लोकार्पण पूरे विधि-विधान से किया गया। सुंदरकांड पाठ व पूजा एवं भगवान की आराधना करते हुए लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। यहां पर प्रथम चरण में 14 बुजुर्गों के आवास, भोजन, वस्त्र व समुचित इलाज की व्यवस्था की गई है। संपूर्ण आश्रम के निर्माण के उपरांत यहां पर 111 बुजुर्ग शालीन, शांतिमय व खुशहाल जीवन व्यतीत कर पाएंगे। चौधरीवास में पंचमुखी बालाजी मंदिर के नजदीक स्थापित किए गए आचार्य श्री विद्या समय शरणम-मोक्ष वृद्ध व महिला आश्रम के लोकार्पण समारोह में पूर्व कैबिनेट मंत्री व विधायक सावित्री जिंदल, मेयर प्रवीन पोपली, समाजसेवी देवकीनंदन गुप्ता, प्रतिमा गुप्ता, समाजसेवी विजय कौशिक, राजेंद्र गावडिया, सालीग्राम गुप्ता, मुकेश जैन, राजेंद्र गुप्ता, संजय डालमिया, मंजू पोपली, रम्मी गुप्ता, राकेश अग्रवाल, जगदीप भार्गव, पवन सिंगला, एच. के. शर्मा व शमीम शर्मा सहित मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक मां पंकज संधीर व प्रधान विजय भृगु एवं काफी संख्या में गणमान्य लोगों ने शिरकत की।

किसी भी समाज की वास्तविक पहचान संस्कारों व आपसी सहयोग से होती है



हिसार। अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारंभ करते प्रधान अंजनी, मंच पर उपस्थित विधायक सावित्री जिंदल, बजरंग गर्ग व अंजनी कुमार खारियावाला।

- अग्रसेन भवन में धूमधाम से मनाया महाराजा अग्रसैन जयंती महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

महाराजा अग्रसेन भवन ट्रस्ट के तत्वाधान में नगर की अनेक संस्थाओं के सहयोग से ट्रस्ट के प्रधान अंजनी कुमार खारियावाला की देखरेख में अग्रसेन भवन में महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान अंजनी कुमार खारियावाला ने दीप प्रज्वलित करके किया। महोत्सव में विधायक सावित्री जिंदल, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग अतिथि के रुप में उपस्थित हुए। समारोह में ट्रस्टियों के अलावा सहयोगी संस्थाओं से जुड़े लोग व नगर के सैंकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ये रहे मौजूद

इस दौरान भारत के प्रसिद्ध काकाजी ग्रुप के कलाकारों के अलावा हरियाणा व राजस्थान से भी उच्चकोटि के अनेक कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके अनूठी छाप छोड़ी। समारोह में ट्रस्ट के उपप्रधान प्यारेलाल लाहौरिया, कोषाध्यक्ष रामनिवास कोहलीवाला के अलावा नगर पार्षद संजय डालमिया, जगमोहन मित्तल, राजेश अरोड़ा, विभिन्न संस्थाओं से जुड़े एन.के.गोयल, प्रवीन जैन, प्रवीन गर्ग, शिवकुमार गोयल, सुरेन्द्र दुर्जनपुरिया, अनिल सिंगला, देवेन्द्र गर्ग, महेन्द्र गर्ग, नरेश सिंगल, विरेन्द्र गुप्ता, अभिमन्यु बंसल, प्रदीप गोयल, सुरेन्द्र बागड़ी आदि मौजूद रहे।

विश्व डाक सप्ताह के तहत डाक घरों में होंगे कार्यक्रम



अनिल कुमार रोज, अधीक्षक डाकघर, हिसार मंडल।

हिसार। भारतीय डाक विभाग द्वारा हिसार डाक मंडल में 9 से 15 अक्टूबर तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह धूमधाम से मनाया जा रहा है। अभियान की शुरुआत विश्व डाक दिवस के अवसर पर सभी डाकघरों में डिजिटल डिस्प्ले एवं पोस्टरों के माध्यम से की गई। हिसार डाक मंडल के अधीक्षक डाकघर अनिल कुमार रोज ने बताया कि इस पूरे सप्ताह के दौरान आमजन को डाक विभाग की आधुनिक डिजिटल बैंकिंग, बीमा, आधार, फिलेटली और अंतरराष्ट्रीय पार्सल सेवाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा। 12 अक्टूबर को डाक टिकट प्रदर्शनी, स्कूली विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण, पत्र लेखन व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं होंगी। इस अवसर पर एक विशेष आवरण भी जारी किया जाएगा। अगले दिन मंगलवार को हिसार व सिरसा के प्रधान डाकघरों सहित चयनित गांवों में 'डाक चौपालें' लगेंगी। वहीं सदलपुर, लोहारी राघो, खेदड़, सुरतिया, साहूवाला द्वितीय और पाबड़ा में विशेष आधार शिविर आयोजित किए जाएंगे। बुधवार को मेल एवं पार्सल दिवस पर थोक ग्राहकों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाएगा तथा घरेलू व अंतरराष्ट्रीय पार्सल सेवाओं का विस्तार होगा। गुरुवार को तकनीक एवं नवाचार दिवस पर डिजिटल बैंकिंग, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक व ऑनलाइन सेवाओं की जानकारी देने के साथ तकनीक आधारित क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

दिल्ली में छात्र नेताओं को हिरासत में लेने की निंदा

हिसार। भारत की जनवादी नौजवान सभा (डीवाईएफआई) की हरियाणा राज्य कमेटी ने दिल्ली में छात्र नेताओं को हिरासत में लेने और प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई की निंदा की है। डीवाईएफआई के हरियाणा राज्य सचिव नरेश दनोदा ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि 11 अक्टूबर को एसएफआई के अखिल भारतीय अध्यक्ष कॉमरेड आदर्श एम. साजी को दिल्ली पुलिस ने प्रताड़ित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान डीवाईएफआई केंद्रीय सचिवालय के सदस्य विकास झा को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। नरेश दनोदा ने कहा कि संगठन पुलिस की कथित दमनकारी कार्रवाई का विरोध करता है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों छात्र-युवाओं पर की गई कार्रवाई को डीवाईएफआई किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी। पुलिस की कार्रवाई से बिना डरे संगठन अपना संघर्ष जारी रखेगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

नवरात्र का शुभारंभ मां दुर्गा की आराधना से मिलती है अन्याय और बुराई के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा : बजरंग गर्ग

मां दुर्गा शक्ति साहस और धर्म की प्रतीक

श्री प्रयाग गिरि शिवालय मंदिर में अखंड ज्योत के साथ शारदीय नवरात्र का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

श्री प्रयाग गिरि शिवालय मंदिर ट्रस्ट में शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में अखंड ज्योत प्रज्वलित कर पूजा-पाठ का भव्य कार्यक्रम शुरू किया गया। ट्रस्ट के प्रधान बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित यह धार्मिक कार्यक्रम 19 अक्टूबर तक चलेगा। इस अवसर पर बजरंग गर्ग ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर माला अर्पित की। बजरंग गर्ग ने कहा कि शारदीय नवरात्र का पर्व पूरे देश और प्रदेश में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया जाता है। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना से आध्यात्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। नवरात्र हमें बुराई पर अच्छाई की जीत के साथ समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा शक्ति, साहस और धर्म की प्रतीक हैं। उनकी आराधना से अन्याय और बुराई के खिलाफ खड़े होने तथा जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रेरणा मिलती है। बजरंग गर्ग ने बताया कि 19 अक्टूबर को श्री प्रयाग गिरि शिवालय मंदिर में मां दुर्गा का विशाल भजन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंगला, ओम प्रकाश असीजा, रमेश पटवारी, प्रवीण जैन, सतेंद्र गोयल, सुनील शर्मा, जसराम वर्मा, दीपक कुमार, जगत नारायण, गंगा प्रसाद मौर्य और मुनीष चावला सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

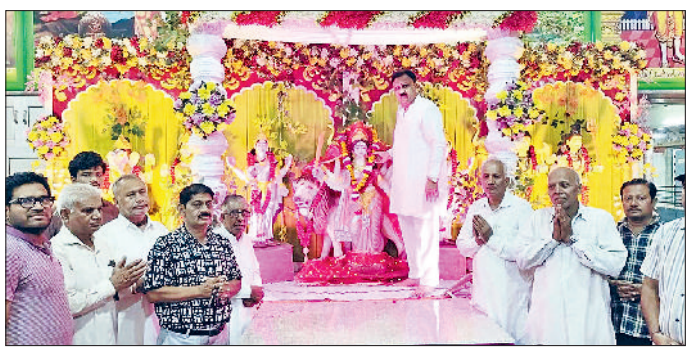

हिसार। श्री प्रयाग गिरि शिवालय मंदिर ट्रस्ट के प्रधान बजरंग गर्ग मां दुर्गा को माला अर्पित करते हुए।

प्रथम नवरात्र पर सैकड़ों अखंड ज्योतें प्रज्ज्वलित



हिसार। शहर के मध्य स्थित सिद्ध श्री हनुमान मंदिर मंडल ट्रस्ट, मोती बाजार में शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन मां दुर्गा, मां काली और मां संतोषी के दरबारों के सम्मुख सैकड़ों अखंड ज्योतें प्रज्ज्वलित की गईं। ज्वालाजी से लाई गई मां लाटां वाली के दरबार में श्रद्धालुओं ने अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए ज्योतें प्रज्ज्वलित कीं। ये ज्योतें अष्टमी की मध्यरात्रि के बाद तक अखंड रूप से जलती रहेंगी। इनके निर्विघ्न प्रज्ज्वलन के लिए मंदिर ट्रस्ट की ओर से दिन और रात के लिए अलग-अलग ब्राह्मणों की व्यवस्था की गई है। अखंड ज्योतें प्रज्ज्वलित करने के बाद मां भगवती की आराधना और मंगल आरती की गई तथा भोग लगाया गया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं को हलवा, छोले, पेड़े और फल का प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही माता के दरबार का खजाना और सुहागिन महिलाओं को अटल सुहाग के प्रतीक के रूप में सिंदूर व मेहंदी भेंट की गई। मंदिर ट्रस्ट के प्रधान रमेश कुमार लोहिया और महासचिव अनूप गुप्ता ने बताया कि नवरात्र के उपलक्ष्य में मंदिर में पुजारी पंडित राजेश शास्त्री के सान्निध्य में विद्वान ब्राह्मणों द्वारा दुर्गा सप्तशती के पाठ का शुभारंभ किया गया है।